तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue - 091,
Dec. 2019

अब्बल भुणे घमण्ड

यक जंगल थिआ। तेस जंगल अन्तर सुआ जानवर थिए। तेन्हि अन्तर चीकू नउए यक खरगोश बि थिआ। से सुआ अब्बल थिआ। अपु अब्बल भुणे बझाई जुओई से होरे जानवरी केआं दूर बिशताथ। यक रोज मोटू ढेबु भ्यागे रड़कड़ जे गो थिआ। तेस बथ चीकू मेई गा। चीकू तेस हेर कइ मुँहे बाई माछोड़ दिता दे पार हेरण लगु। मोटू टोक कइ तेस केआं पुछु "ओइ लिया किस चीकू मोउं केआं मुँह नियकाई कइ को जे गो असा? चीकू झठ बोलु, "अउं चुमा त मोटे मेह्णु के मुँह ना लगता।" मोटू ढेबु बेज्जती सेही कइ चुपचप अपु बथ घेई गा।

विषय सूची

अब्बल भुणे घमण्ड़	1
लखे टके बोक	2
त्रिलोकनाथे कथा	3
धन्यवादे प्रार्थना	5
चुटकले	6
बहादूर गभुरु	7

होर रोज चीकू दरियोए अओत नीलू नीलू घास खाण लगो थिआ। तेठि पुओणी पीण जे हाथि दाँदु अपु टब्बरे जुओई साते एई गा। हाथी दाँदु हेर कइ बि चीकू अपु पेठ भरणु बिश गऊ। दाँदु पुछु "ओई चीकूआ, सुआ बोडा भोई गा न, जे नमस्ते या `गुड मोर्निंग' बि ना कता?" चीकू हाथि दाँदू बोक शुणी अणशुणी कइ छड़ी। फि दाँदू पुछु "कि भाई असी जुओई की नराजगी असी?" चीकू बोलु, "अउं फाटे ईं बोडा कुस्तरे जिसम बाड़ा त असराड़ी ईं लम्मी सूंडी बाड़े जानवरी जुओई बोक विचार ना कता। तें बोडे बोडे दांत कत कुस्तरे लगते..छी।" हाथि दाँदु चीकू जवाब शुण कइ सुआ लेहर आई, पर तेन से मठड़ समझ कइ तेस जे किछ बोल न बटु। बस अतु जरुर बोलु, "मठुड़ मुँह बोडी बोक।" चीकू दरियो अन्तर अपु उडार हेर कइ सुआ खुश भुओ थिआ। ब्यादी हाथि दाँदु त मोटू ढबु जपल काडू गोले जे चीकू हरकती के बारे बताऊ त तेस यकीन ना भुआ। से चीकू जुओई मिईण जे तसे गी पुज गा। "चीकू गी असा ना?" काडू हक दीति। खरगोशे जुएली बाहरी आई त बोलु, "से त बाजार गओ असे।"

काडू गोला वापस घेई गा। थोड़े दैर घेई कइ तेस ईं लगु कि चीकू जुएली झूठ बोलुण लगो असी। से दुबारी चीकू गी पुजा त हेरता कि चीकू गी आराम करण लगो असा। ईं हेर कइ काडू सुआ लेहर आई। तेन चीकू जे बोलु, “ओई गी भोई कइ बि अपु अपफ गी न भुणे झूठ बोक किस बोली? तोउ शरम न ऐन्ती ना?”

चीकू पुछु, “तोउं मोउं जुओई की कम?” “मेईं शुणु कि तु अपणे आप सुआ अब्बल समझता त होरी जानवरी कुस्तरे। तोउं त केसे जुओई बोक बि न कता,” काडू लेहरी कइ तेस जे बोलु। “आँ...आँ...आँ...अउं अपु अपफ अब्बल समझता। होर समझता कि, अउं असा ईं तुसी सोबी केआं अब्बल। तें ईं में मुह टुठू नेई होर ना, तें ईं में मोटी रजुड़ी ईं पुछीण असी।

हेर में हछी नरम चमड़ी। शंगरे शंगरे, बटए बटए टीर त मठ मठ खुर।” चीकू अपु खुबी बतेई। काडू गोला समझ गा कि सच्चे चीकू अपु अब्बल भुणे बझई जुओई सुआ घमण्ड भोई गो असा। से चुपचाप तठिआ अपु गी वापस एई गा। हेउस काडू सोबी जानवरी के टजोट की। तेस टजोट अन्तर हाथि, ढबु, बन्दर, गदड़, सगाली, गैंडा, त गोले सोब थिए। हाथि दॉदु चीकू खरगोश जंगले एकता टोड़णे बाड़ा प्राणी बतेई कइ बोलु, “चीकू जंगले प्राणी के बिरदरी केआं बखरे छाण चाहिए।”

धाणि त तसे जुएली केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, अठु जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते।

तुसी सोभी में कनारा त पूरी तुबारि टीमे कनारा नोई साले लाख लाख बधे। मस्त रिहे त मोजमस्ती जोई अपु जीदंगी जीण दिए।

लखे टके बोक

- अक्लदार मेह्णु शिक्षा दियेल, त से सुआ अक्लदार बणता, धर्मी मेह्णु चेता दियेल, स से अपु विद्या बधांता।

- भगवाने डर मनण अक्ली शुरुवात भो, त सुआ शुचा परमेश्वर जाणण ईं समझ भो।

- जे कम करण हेर सुसत भोई घेन्ता, से गरीब भोई घेन्ता। पर कमेर मेह्णु अपु हथेरी बेलिए अमीर बण घेन्ता।

- बैरी रखणे बेलि त झगड़े फसाद पैदा भुन्ते, पर पेरमे बेलिए सोब गलती त पाप ढकी घेन्ते।

त्रिलोकनाथे कथा

त्रिलोकनाथ देहर लाहौल स्पिति जिले अन्तर असा। देहर अन्तर रखो मुर्ति जे तठिणी भाषा अन्तर 'भ्यार' बोते। भ्यारे बारे यक अब्बल कथा असी।

बोते कि पटन ग्रां यक जिम्मदार थिआ, जेन सुआ गोउड़े पड़ो थिए। जिम्मदारे गोउडे चारण जे यक गुवाल रखो थिआ। गुवाल गोउड़ी चारण जे धार घिन घेन्ताथ। यक रोज जिम्मदारे नौखरे जिम्मदार जे बोलु कि गोउड़े दुधे न देन्ते। मोउं लगतु कि गुवाल जंगले बेशूं लाई छता। तोउं जिम्मदारे गुवाल धमका त बोलु "शुईया खड़ इ न लोतु भुओ। हेउस बि से गोउड़ी घिन गा पर जिम्मदार की धमकी दितो थी, बिसरी गा। तोउं ब्यादी फि तिहांणि शुणण जे मेऊ। ईं गुवाल रोज रोज के धमकी मेतीथ पर गुवाल रोज रोज के भूल घेन्ताथ। अखिर अन्तर जिम्मदारे बोल छऊ "गुवाले धे रोटि न देण।" रोटि न मेई त गुवाल चिन्ता भोई गई कि अब त बझह तोपणी एन्ती कि अखिर दुध पींता कोऊं? गुवाले गोउड़े पूछड़ी जुओई यक घोड़ बन्ही छड़ा ताकि एस घोड़ केआं याद रिहेल कि तेस आज चौकने बिशुण असु। गोउड़े चरते चरते अगर घेई गे त से भूल गा कि चौकने बिशुण असु। पर गोउड़े आज बि दुध न दुतु त गुवाल फि रोटि न मेई।

हेउस गुवाले अपु चटोली जुओई घोड़ बन्हि छड़ा ताकि हिलयाल त तेस याद ऐन्तु कि सुपाक बिशुण असु। दिसाइ तकर किछ न भु। घोड़ हिलणे बेलि से यकदम सुपाक भोई घेन्ताथ। दिसाई केआं पता गुवाल गोउड़ी पुवाणी पियाण जे घिन गा। गुवाल उंघ एण लगो थी, पर चटोली जुओई बन्हो घोड़े बझई जुओई तसे उंघ घड़ी घड़ी बिझ घेन्तीथ।

तढ़िया पता से कि हेरता दे कि यक चोउरु पन्ज साले अब्बल कुवा गोउड़ी के कना जे नियोक नियोक कइ अओ असा। गवाले आणजाण बण कइ टीर बन्न कइ छड़े, पर चोर चोर कइ हेरण लगो थिआ। गवाले हेरते हेरते ईं कुवा गोउड़ी के दुध पी गा। गुवाल लेहर एई गई। तेन दौड़ दी कइ कुवा टाइ छड़ा। कोईए छुड़कणे सुआ कोशिश की, पर गवाले से छड़ा नऊ।

कोईए जपल हेरु कि गवाले हथा न छुड़कीन्तु त तेन बोलु, "तु मोउं छड़ त न देन्ता। तु जठि चाहांता तठि जे मोउं घिन गा। पर यक बोकी ख्याल रख, जपल अस घेण लगियल त तोउ लगतु कि पतुआ कोऊं हक देण लगो असा। त तोउ पतुं कदि न हेरुण।"

जपल गुवाल होता हंठण लगो थिया दे तेस लगणु लगु कि तसे पता पता कोउं अओ असा त हक देण लगो असा। गुवाल डर गा। पर तेन पतूं न हेरु। जपल से ग्राए भेएड़ पुजे त गुवाल फि लगु कि कोऊं पतूआ हक देण लगो असा। ग्रां नीड़ु थी, तोउं त गुवाल डर अब घटि गा। गवाले पतूं खीरक कइ हेरु। जिहांणि गवाले पतुं खिरक कइ हेरु, से यक घोड़े बुत बण गा। त से कुवा संगमरमरे मुर्ति बण गा।

बोते कि तेस कोईए संगमरमरे मुर्ति त्रिकोलनाथे मुर्ति भुओ। गवाले बुत जे अभेई बि गवाले बोते।

त्रिलोकनाथ खास चोउर धामी अन्तर यक मनिन्ता, जे लहुए पटन ग्रां अन्तर लगभग 2760 मीटर खड़िया त्रिलोकनाथ देहर असा। चन्द्रभागा घाटी अन्तर ए फाट पुठ सिर्फ यक देहर असा। देहर अन्तर नब्बे सेंटीमीटर बोडी मुर्ति असी जेस शिव मानते। पुराणे मेहणु तेस अवलोकीतेश्वरे मुर्ति मानते। किस कि मुर्ति मगिर अन्तर मठड़ी मुर्ति भकत मेहणु बोधिसत्व त शिव दुहे मानते।

धन्यवादे प्रार्थना

ए परमेश्वरा, अउं तें तारीफ कता
किस कि तेईं अउं थुसी कड़ किढ़ो असा,
त में दुश्मण मोउं पुठ खुश भुण ना दिते।
ए में भगवाना, मेईं तोउ जे दुहाई दिती
त तेईं अउं ठीक किआ।
ए में इश्वरा, तेईं में प्राण नरक लोक केआं बाहर किढ़े,
तेईं अउं जीन्ता रखा त पीठ पुजुण केआं बचा।
ए परमेश्वरे भक्त मेह्णुओ! तसे भजन लाए,
त तसे शुचे नोउए याद कर कड़ तसे गुणगान करे।
किस कि तसे लेहर त मन्ठ भइ भुन्ति,
पर तसे खुशी बेलि जिन्दगी भइ सुख मेती।
कदी राती रोलुण एईयेल, पर भ्यागे जरुर खुशी मेती।
जिखेईं में तरक्की भुण लगो थिआ,
तिखेईं मेईं बोलो थिऊ कि अउं कदी ना टलता।
ए में भगवाना, तेईं अपु खुशी जोई में कम पक्कु
त कमियाब किओ थिअ।
पर जपल तेईं अपु मुँह फेरी छऊ तपल अउं डर गा।
ए परमेश्वरा, मेईं तोउए जे हक दिती,
त शिहकाण किढ़ कड़ ईं विनती की कि
'जपल अउं मर घियुं,
तपल में लहूए बेलि की फाईदा भुन्ता?
पटास बण कड़ कि केनि तें धन्यवाद कड़ सकता ना?
हलोटे कि तें सच्चाई प्रचार कड़ सकता ना?
ए परमेश्वरा, शुण, मोउं पुठ दाह दया कर।'
ए परमेश्वरा, तु में मदत करणे बाड़ा भो।

तुबारि मासिक पत्रिका

- तुबारि मासिक पत्रिका ई उम्मीद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।
- इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।
- तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।
- तुबारि पत्रिका कोई मेह्णु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ई सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।
- छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।
- आर्टिकल्स ना मिएलए या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।
- कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।
- अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालयए त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।
- अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत ;पागवाड़ी अन्तर लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

चुटकले

- मास्टर - गभुरु केआं "बोले सोबी केआं ज्यादा अलूण कोठि भुन्ते?

यक गभुरु -मस्टर जी समोसे अन्तर।

- तन्ख्वाह यक या दुई तरीक किस मेती? 15-16 तरीक किस ना मेती?
- मस्टर गभुरु जे- मुगली के राज कपल केआं कपल तकर थियु।

  गभुरु- मास्टर जी, इतिहासे कताब पेज नम्भर 12 केआं 27 तकर।
- ताकि तुस टाई किसमी जिन्दगी जी सकियल। पहेले 10 रोज अमीर, होर 10 रोज गरीब त अखिरी 10 रोज फकीरी अन्नद उठाई सकियल।

बहादूर गभुरु

दस्म्मरे मेहना थिआ। फाटी पुठ हच्छा डंग शियो थिआ। फाट ईं चमकण लगो थिए मने कि जीं भगवाने तेन्हि चॉन्नी मुकुट डबाओ असा। ईं हियुन्ते टेम विनय त विनिताई ईया त बोउ केसे कमे लिए ग्राँ घेण आऊ। ईए बोउए घेन्ते ईं से दुहे भाई भेण बि स्कूल जे तेयारी गे।

विनय त विनिता आज सुआ खुश थिए किस कि विनिता खेलण अन्तर त विनय फश्ट एणे ईनाम मेणे बाड़ी थी। दुहियो खुश भोई

कइ स्कूल पुजे। भ्यागे परेयर अन्तर हेड-माश्टरियेणि गेभुरु कें घे तेन्के कमे हिसाब जुओई इनाम दिते। पूरा दन हसि खेलि कइ मुकि गा। छुट्टी भुई कइ दुहिओ खुशी खुशी गी पुजे।

गी पुजि कइ से दुहिओ जेईं स्कूले बोकी लग गे त तेन्हि झवेदिणे बि पता न चला। यकदम वदे कड़के त तेसे बेलि तेन्के ध्यान भंग भुआ। दुआरी बई हेरु त अमर भई वदेए थिए। विनये घड़ी हेरी त ब्यादि सथ बजि गो थिए। तेनि बोलु- देइआ मनचाह ठीक मेहघे लगणे बाड़ी असी। ईं न भोल दे बिजली घेई घियेल। चल झट रोटि बणान्ते। दुहि मी कइ रोटि बणेई त खाई कइ अपु अपु कमरे उंघण जे घेई गे।

पता भयंकर मेहघे शुरु भोई गई त दुहिओ जेईं कशि कइ उंघ गे। होता धिक भई टेम भो थिआ त होरे कमरे केआं "टन्न" अवाज आई। विनिता खड़ि गई त तेनि मठे विनय खड़ेरा त तेस जे बोलु, "मोउं लगतु उधौरि कमरे ब्यारि बेलि किछ झड़ि गो असु। हन्ठ हेरि एन्ते।" ईं शुणि कइ विनय डरी गा। विनिताई तेस जे बोलु "डर नऊं आइए।" पर होरे भखरी द्वार खुलु हेर कइ दुहिओ जेईं हेरान भोई गे। जिहांणि तेन्हि द्वारे सिड़ि बई त दुई मेह्णु किमती समान बुरी अन्तर भरण लगो थिए। ईं हेर कइ विनिताई विनय कना जे खिरकी त तसे कन अन्तर मठे सोब बोक बतेई छेई।

विनय पुछु "त कि मोउं मदत करण जे भेयाड़ भिआण ना?" विनिताई बोलु, "ना ना, इ ना कर। तें अवाज शुण कइ दुहे जेईं नश घेन्ते। अउं मठे घेई कइ भखरी दवार बहरिया बन्न कती।" दवार बन्न कर कइ तेन्हि दुहि जेईं अपु भेयाड़ कठेरे त सोब बोके बतेई छेई। तेन्हि अन्तरा यक मेह्णु फोन कर कइ ठाणेबाड़े भिआए। फोन कते ईं ठाणेबाड़े पुज गे। ठाणेबाड़ी भखरी दवार खोल कइ दुहे चोर समाने समेत टाई छड़े। सोबी जेईं दुहि गभुरु शबशी दिती। तेन्हि दुहि अतु हिम्मते बाड़ा कम जे किओ थिआ। हेउस भ्यागे जपल विनय त विनिताई ई बोउ गी पुजे त अपु गभुरु के तरीफ शुण कइ सुआ खुश भुए ईए बोउए अपु गभुरु गड़े लाए त सुआ शबाशी दिती।